chos dbyings bstod pa\_ktm\_1997\_rfu\_talk\_3\_metadata created by: Peter Schaffranek started: 31 JAN 2013 last changes: 09 APR 2013 total pages: 5

## क्र्य.ग्री.र्न्युट्य.श्र.पर्स्र.रा

		chos dbyings bstod pa_ktm_1997_rfu_talk_3_metadata
		Start Talk 3 of 5
Eng	00:00:07	vers 41
Tib	00:00:30	
Eng	00:00:46	
Tib	00:01:23	हुं भें रमायित्र क्रिंम् संक्रित् केंग्रायस्त्र राज्यायायम्
Eng	00:01:47	vers 41 explanation
Tib	00:02:15	
Eng	00:02:41	
Tib	00:03:28	
Eng	00:03:57	
Tib	00:04:40	
Eng	00:04:58	
Tib	00:05:27	
Eng	00:05:56	
Tib	00:06:43	र्मा मंत्रे खुअग कुँ में मंत्र प्रमा केंग्राय च कर्रा २०००
Eng	00:06:52	vers 42
Tib	00:07:10	ळेंग्राग्चरुर ৺३ त्यो्ताय्म्यूर
Eng	00:08:04	vers 42 explanation
Tib	00:09:28	
Eng	00:09:35	
Tib	00:09:46	
Eng	00:09:57	
Tib	00:10:15	
Eng	00:10:48	
Tib	00:11:32	
Eng	00:12:02	
Tib	00:12:30	
Eng	00:12:35	
Tib	00:13:27	
Eng	00:13:44	
Tib	00:14:11	
Eng	00:14:32	
Tib	00:15:08	

Eng	00:16:45	
Tib	00:18:45	
Eng	00:19:50	
Tib	00:21:49	
Eng	00:22:09	
Tib	00:22:37	
Eng	00:23:01	
Tib	00:23:37	धेन्'मॉर्डॅर'चुर'यपै:र्केश'इसस्याया हेन्म्स'मठन' <del>८</del> ३
Eng	00:23:48	vers 43
Tib	00:24:11	क्षेत्राशास्त्र २ ५ १ वर्षे व्याप्तास्त्र १
Eng	00:25:54	vers 43 explanation
Tib	00:27:16	५चेर-त्रा ८ चे चक्कुन् सुर्वे अवसासुर ५ मिद्र माद्र अवसाममार्थे के द्वार माद्र अवसाम के अवसाम के अवसाम के अवसाम
		. वेश चुँ 'प्रबंध स्टेन  चिँ चक्कु ५ हु 'भ्रम्थ सु ५ ग्राव प्याप्ताय प्रवासका में चिंद च दे हुं सुर्थ सेना दे खुवा सेन हुं सुर्थ सेना है जु प्रवासका सेना सुर्थ सेना ने सुर्थ सेना है जु प्रवासका सेना सेना सेना सेना सेना सेना सेना सेन
		ने प्यकर प्रते : इस : नेश : सेश शे : स' ने : 'हें इ' दु : पूर्वे : ने प्रत : ची : च
Eng	00:28:47	for example: Thinking "I will face difficulties when I reached the age of eighty ". The concept,
		at the time of thinking like this, is called mental consciousness or element of the mental
		consciousness.
		The concept "at the age of eigthy I will face difficulties" is the object or focus and is called
		element of [mental] phenomena.
		In order to arise, the concept needs a moment of consciousness which preceeds it, that is the
		mental sense faculty or element of mentation.
Tib	00:29:56	
Eng	00:30:33	
Tib	00:31:29	
Eng	00:32:15	
Tib	00:33:35	
Eng	00:34:15	confusion about the continuation of time; example of a country's president
Tib	00:35:05	
Eng	00:36:07	example of being a pig in a previous life
Tib	00:37:40	
Eng	00:38:12	if past and future lifes were truly connected we could also eat humans
Tib	00:38:48	
Eng	00:39:08	
Tib	00:39:49	
Eng	00:40:23	
Tib	00:41:08	
Eng	00:41:45	
Tib	00:42:45	suffering of the brahman cast
Eng	00:43:05	
Tib	00:43:40	
Eng	00:43:56	according to brahmans cows are pure
	I .	

Tib			
Tib	Tib	00:44:45	
Eng 00:45:54 lower casts in India are better off  Tib 00:46:15 Eng 00:46:40 Tib 00:46:15 Eng 00:46:40 Tib 00:48:13 atic ন্দ ইমান্ত ব্যৱস্থান নি বিশ্ব বিশ্	Eng	00:45:02	
Tib	Tib	00:45:37	
Eng	Eng	00:45:54	lower casts in India are better off
Tib  00:47:01 Eng  00:47:23 Tib  00:48:13	Tib	00:46:15	
Eng	Eng	00:46:40	
Tib	Tib	00:47:01	
Eng	Eng	00:47:23	
Tib  00:48:42	Tib	00:48:13	अर्घेट.र्-र
Eng 00:49:34 vers 44 explanation  Tib 00:51:05  Eng 00:51:05  Eng 00:51:56  Tib 00:52:58  মিল্মের্মুর্ন্ম্বন্ম্বর্মুর্ন্ম্বর্মুর্ন্ম্বর্মুর্ন্ম্বর্মুর্ন্ম্বর্মুর্ন্ম্বর্মুর্ন্ম্বর্মুর্ম্ম্বর্ম্বর্ম্বর্ম্ম্বর্ম্বর্ম্ম্বর্ম্ম্বর্ম্বর্ম্ম্বর্ম্ম্বর্ম্বর্ম্ম্বর্ম্বর্ম্বর্ম্ম্বর্ম্বর্ম্বর্ম্বর্ম্ম্বর্ম্	Eng	00:48:23	vers 44
Tib	Tib	00:48:42	≋्रम्थायठर्. ८८ वर्ग्रेयायन्
Eng 00:51:56 Tib 00:52:58 মাণ্ডল্পের্ম্বর্গর্ল্বর্শ জ্বান্তর্ভ অ  O0:53:14 vers 45 Tib 00:53:34 vers 45 Tib 00:53:34 vers 45 Tib 00:55:52 বন্ধ্রম্বর্শন্মনর্ভ্রম্বর্শর্মর্শ্রম্বর্শর্মর্শ্রম্বর্শর্মর্শ্রম্বর্শর্মর্শর	Eng	00:49:34	vers 44 explanation
Tib 00:52:58 ইল্ম্মন্ত্র্ব্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র	Tib	00:51:05	
Eng 00:53:14 vers 45 Tib 00:53:34 ঈশ্বন্দেহ ~ এন্ত্র্যান্দর্ম্ Eng 00:54:28 vers 45 explanation Tib 00:55:52 মন্তর্ভ্রান্দর্ম ভ্রম্মন্তর্ভর্ম মন্তর্ভ্রান্দরম্ Eng 00:56:22 presentation corresponds to explanation in the Heart Sutra  Tib 00:57:15 Eng 00:58:08 Tib 00:59:37 Eng 00:59:48 Tib 01:00:04 য়য়য়ৡয়	Eng	00:51:56	
Tib 00:53:34 জিল্মন্তর্	Tib	00:52:58	शेना'र्⊏ःइ'च'श्च'र्ना'र्⊏ः व्रेनाश'यठर्' थ्य
Eng 00:54:28 vers 45 explanation  Tib 00:55:52 বন্দ্র্বিশ্রন্থমনাষ্ট্রব্বিশ্বন্ধ্র্যন্ত্র্বিশ্বন্ধ্র্যন্ত্র্বিশ্বন্ধ্র্যন্ত্র্বেশ্বন্ধ্র্যন্ত্র্বিশ্বন্ধ্রন্ত্র্বিশ্বন্ধ্র্যন্ত্র্বিশ্বন্ধ্রন্ত্র্ব্বিশ্বন্ধ্রন্ত্র্বিশ্বন্ধ্রন্ত্র্বিশ্বন্ধ্রন্ত্র্বন্ধ্রন্ত্রন্ত্র্বিশ্বন্ধ্রন্ত্র্বিশ্বন্ধ্রন্ত্রন্ত্রন্ত্রন্ত্রন্ত্রন্ত্রন্ত্র	Eng	00:53:14	vers 45
Tib 00:55:52 বন্দ্র্বেইন্ম্মন্ম্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র	Tib	00:53:34	ह्रॅग्रायठर्' थ्य त्र्योत्रायत्र्
Eng 00:56:22 presentation corresponds to explanation in the Heart Sutra  Tib 00:57:15  Eng 00:58:08  Tib 00:59:37  Eng 00:59:48  Tib 01:00:04 মৈন্সাইন্ রম্মনান্ট্রসমুমর্বন্ ক্রিক্সন্তর্ভ্   Eng 01:00:18 vers 46  Tib 01:00:37 র্ক্রিক্সন্তর্ভ্   Eng 01:01:14 vers 46 explanation  Tib 01:02:33  Eng 01:03:03  Tib 01:03:43 মৈন্সাইন্ ইন্মনার্ট্ পুরুব্মমর্ক্রাতর্ভ্   ব্রেক্তমার্ট ম্বির্মার্ট মুক্তব্মমর্ক্রাতর্ভ্   বর্জনার্ট মুক্তব্মমর্ট মুক্তব্মমর্কর্জাতর্ভ্   বর্জনার্ট মুক্তব্মমর্ট মুক্তবম্বর্ভ মুক্তবম্বর্জ মুক্তবম্বর্জ মুক্তবম্বর্জ মুক্তবম্বর্জ মুক্তবম্বর্জ মুক্তবম্বর্জ মুক্তবম্বর্জ মুক্তবাল মুক্তব্য মুক্	Eng	00:54:28	vers 45 explanation
Tib 00:57:15 Eng 00:58:08 Tib 00:59:37 Eng 00:59:48 Tib 01:00:04	Tib	00:55:52	चन्दर्स्यः दे:नेशःस्यःश्रेदः चेतिःचन्दर्स्यः द्दः वद्दा ।श्रेगःश्रेदः इत्यः श्रेदः श्रेशेद्दा
Eng	Eng	00:56:22	presentation corresponds to explanation in the Heart Sutra
Tib 00:59:37 Eng 00:59:48 Tib 01:00:04 ইনম্প্রান্ত্র ইন্ম্যাল্ট্র মুর্মার্য ইন্ম্যার্য ইন্মার্য	Tib	00:57:15	
Eng 00:59:48 Tib 01:00:04 মীনমান্ট্র-ইন্যযাবাট্টনাম্বর্ধনা ইল্মান্তর্ভ্র ত্রিন্ত্রন্ধনা ইল্মান্তর্ভ্র ত্র ত্রিন্ত্রন্ধনা ইল্মান্তর্ভ্র ত্র ত্র ত্র ত্র ত্র ত্র ত্র ত্র ত্র ত	Eng	00:58:08	
Tib 01:00:04 মিন্সান্ধি মুন্ন বিশ্বমান দিন্দ্র ক্ষান্ধ নির্দিশ্য মুন্ন বিশ্বমান বিশ	Tib	00:59:37	
Eng 01:00:18 vers 46  Tib 01:00:37 উল্পান্তর্ ত এট্রান্তর্ ত অনুন্তর কর্মান্তর ত এট্রান্তর ত অনুন্তর কর্মান্তর ত আন্তর্মান্তর আন্তর আন্তর্মান্তর আন্তর আন্তর্মান্তর আন্তর আন্তর্মান্তর আন্তর আন্তর আন্তর্মান্তর আন্তর আন্তর্মান্তর আন্তর্মান্তর আন্তর আন্তর্মান্তর আন্তর আনতর আন্তর আন্তর আন্তর আনতর আনতর আন্তর আনতর আনতর আনতর আনতর আনতর আনতর আনতর আন	Eng	00:59:48	
Tib 01:00:37	Tib	01:00:04	श्रेशयः क्षेत्रः स्थाया माहेश्वर स्थाया माहेश्वर स्थाया माहेश्य स्थाया माहेश्य स्थाया माहेश्य स्थाया माहेश्य स्थाया माहेश्य स्थाया माहेश्य स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्
Eng 01:01:14 vers 46 explanation  Tib 01:02:33  Eng 01:03:03  Tib 01:03:43 बेश्वय देश्वा क्ष्म क्षम क्ष	Eng	01:00:18	vers 46
Tib 01:02:33 Eng 01:03:03 Tib 01:03:43 মৈনমাই ঐনুন্মমাই ঐনুন্মমার্কমান্তর শুরু ইঘাণ্টামিনমান্তর ইঘাণ্টামিনমান্তর শুরু হার্মান্তর শুরু ইঘাণ্টামিনমান্তর শুরু হার্মান্তর শুরু হার্	Tib	01:00:37	ळॅग्रायठर्' ৺७ त्यो्यायत्र्
Eng 01:03:03  Tib 01:03:43 มีผมรัฐานมรัฐ	Eng	01:01:14	vers 46 explanation
Tib 01:03:43 มีผมาริ เดิราเมลัย สู่สามาธัมาธลาทูส ัยา ซึ่งมีผมาระ เช้นา ชิราเมลา ซึ่งมีผมาสุดิมและ สาทูส ัยา ซึ่งมีผมาระ เช้นา ชิราเมลา ซึ่งมีผมาสุดิมและ สาทูส ัยา ซึ่งมีผมาระ เช้นา ชิราเมลา ซึ่งมีผมาสุดิมและ สาทูส ัยา ซึ่งมีผมาระ เขา เมลา เมลา เมลา เมลา เมลา เมลา เมลา เมล	Tib	01:02:33	
चित्र परिशोध । ইমান্তির নির্মাণ বিশ্ব নাম নাম্বির নাম	Eng	01:03:03	
Eng 01:04:00 in the Sutralamkara two types of mind are mentioned: the quality-possessing relative mind and the suchness clear light mind. The relative mind is the deluded mind and the clear light mind is sugatagarbha  Tib 01:04:35  Eng 01:05:12  Tib 01:05:58 पर्देन्: क्ष्माश्चन् प्रमाश्चारम् प्रमाश्चारम्यम् प्रमाश्चारम् प्रमाश्	Tib	01:03:43	
and the suchness clear light mind. The relative mind is the deluded mind and the clear light mind is sugatagarbha  Tib 01:04:35  Eng 01:05:12  Tib 01:05:58 এই ব্যুল্ম ব্যুল ব্যুল্ম			વાલુવા માવું શું શાસા કુરા ફિલ્મ છું કુરા તુરા નાથાયા છું. શું શાસા તુરા નાથાયા કુરા તુરા નાથાયા કુરા તુરા નાથાયા છું. શું શાસા તુરા નાથાયા કુરા તુરા તાલુકા તુરા તુરા તુરા તુરા તુરા તુરા તુરા તુર
mind is sugatagarbha  Tib 01:04:35  Eng 01:05:12  Tib 01:05:58 বের্ন্-অন্যান্ত্র-ব্রেম্য উল্মান্তর- ৺৺  Eng 01:06:10 vers 47  Tib 01:06:28 উল্মান্তর- ৺৺ ব্যুঝান্ত্র-	Eng	01:04:00	in the Sutralamkara two types of mind are mentioned: the quality-possessing relative mind
Tib       01:04:35         Eng       01:05:12         Tib       01:05:58       ๔รัฐ สพาสารานพาผูาเสาเรา เพื่อสุดมาสารา เพื่อส			and the suchness clear light mind. The relative mind is the deluded mind and the clear light
Eng       01:05:12         Tib       01:05:58       ๔ฺҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳҳ			mind is sugatagarbha
Tib       01:05:58       นรัฐ สทุล สฐานสมัฐ ส นุรุล (นุรุล)       ธัฑุล นุรุล (นุรุล)       ธัฑุล นุรุล (นุรุล)         Eng       01:06:10       vers 47         Tib       01:06:28       ธัฑุล นุรุล (นุรุล)       ธัฑุล นุรุล (นุรุล)	Tib	01:04:35	
Eng 01:06:10 vers 47 Tib 01:06:28 উদ্যাধ্যমন্ত্র তথ্য এই বিশ্বাধ্যমন্ত্র তথ্য বিশ্বাধ্যমন্ত্র তথ্য বিশ্বাধ্যমন্ত্র তথ্য বিশ্বাধ্যমন্ত্র তথ্য বিশ্বাধ্যমন্ত্র তথ্য বিশ্বাধ্যমন্ত্র তথ্য বিশ্বাধ্যমন্ত্র বিশ্বা	Eng	01:05:12	
Tib 01:06:28 ঈশ্বশ্বত্ব্ ≃০০ এশ্রীঅব্দ্রন্	Tib	01:05:58	पर्देन्:कग्रथ:बन्:प्रश्याः क्वेंग्रथ:पठन्: २००
	Eng	01:06:10	vers 47
दे व्यास्थ्याया यहिना हेव. यदा ख्रांचा हेव. यथा यद्या सदी ख्रांचा केव. यही सदी स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त	Tib	01:06:28	
			दे.येश.शुंशका.ता.त.हुची.क्षेत्र.त.त.कुंशका.टंट.तहुची.क्षेय्त.तटका.तटुका.तटुका.तटुका.त्राकुंश.लूट्र.त.हुची.तटुट्र.क्ष्माका.खे.कंटचाहे.शिची.चाशिश.ता.ताटा.ी

		વદેના ફેન્ન મહે વર્તે દ્વારા લે ફ્રાંટ ના કે સુના નાસુરા દ્વારા કેન્ન વારા વર્ષ મહે વર્ષે દ્વારા લે ફ્રાંટ ના કે સુના નાસુરા બેંદ કેન
Eng	01:07:00	vers 47 explanation
		in accordance with the [above explanation] about mind as worldly and transcending the
		worldly plane, desire, agression and stupidity are as well spoken of as worldly desire, anger
		and stupidity and desire, agression and stupidity transcending the worldly plane.
		<tib. om.=""> Worldly desire etc. is there when our mind clings to external things. When we are</tib.>
		confused about them. Desire etc. transcending the worldly plane - the true nature of desire is
		bliss-emptiness inseparable, the true nature of anger is clarity-emptiness inseparable and the
		true nature of stupidity is awareness-emptiness inseparable. <tib. om.=""></tib.>
Tib	01:08:20	तह्मान्यवास्त्रक्षान्यहेन्वमायहेन्द्रक्षामानीस्त्रहेन्याले स्टानीस्त्रहेन्यानिहेस्तानीस्त्रहेन्यावस्त्रवानान्यन्यन्याने नेपासुस्रानीहेस्तानाने। विद
		पर्नेषा पहरा र्माया मक्ष्य महिन प्यापा । मक्ष्रेन मक्ष्य में पर्नेन क्षाया के। " । मक्ष्य मंत्रिक में पिट पिक्री " । मक्ष्य मार्ग केन में पिक्री में
		इं में नागद नश्चर ०३७२ द्ये क. ०० / ३ व. /
		तर्रे र.क्याया ले. इस्. मा है. श्या माशुक्ष ची. माक्या तीयाया क्षेत्र य. र्रेक र का ची. या स्था माल्या क्षेत्र स्था ।
		चन्रे मानेगाबा क्षेट सें प्याकर्केन् या पत्या या सेन्।
Eng	01:09:10	quote: pp: in the Manjushrinamasamgiti, "Reciting the names of Manjushri" the offering of
		desire, of anger and stupidity are mentioned. The text reads: "Great offering, great desire"
		"Great offering, great anger" "Great offering, great stupidity". Meditating the true nature of
		desire, anger and stupidity is an offering to the ultimate Buddha. The ultimate Buddha is the
		buddhanature, sugatagarbha, it is an offering to the buddhanature.
Tib	01:10:54	અર્જેન્ યાપ્રેનુ યાપ્રેનું અર્જન્ ના અર્જેન્ યાપ્રનુવા વધે ખુવાને જેવા ક્ષુ મેન્ના કેવા માને વારા કેવા માને વાય
		च-देन्। विन्न-क्रमशः चुःमत्रमः खुमारा-चने स्र्रेटः चर्झेस्य स-चने स्र्रेटः सटः व्यास्त्रभः यरः चल्या नेर्यायक्षेत्र, स-चने स्र्रेटः मी सर्केन् स्याने क्रियान सेर्यायक्षेत्र स्याने स्र्रेटः स्यास्य स्वर्यायक्षेत्र स्थापनित्र स्वर्यायक्षेत्र स्थापनित्र स्वर्यायक्षेत्र स्थापनित्र स्वर्यायक्षेत्र स्थापनित्र स्वर्यायक्षेत्र स्वरंत्र स्वर्यायक्षेत्र स्वरंत्र स्
		मानेमाश्रीहर्म्य दिन्द्रात्म विद्यायायम् मीर्याद्र स्त्रीत्म स्त्र
		पसुवा
Eng	01:11:25	pp. the reason for this being an offering is, that the object one is offering to is the dharmakaya.
		One offers to the dharmakaya sugatagarbha, the dharmadhatu sugatagarbha. Meditating on
		bliss-emptiness, the nature of desire, and knowing how to rest in bliss-emptiness, becomes (?)
		the sphere of dharmadhatu sugatagarbha. It makes [the offering] inseparable from the sphere
		[of dharmadhatu]. Because [one's mind] sphere is undifferentiated [from the sphere of
		dharmadhatu] it is an offering to the dharmakaya.
Tib	01:12:10	નેશ'ન,શર્કેન,લીયા,શ્રૃત,લીયા,શ્રૃત,લીયા,શ્રુપા,ત્રિકા,શુન,લીયા,શ્રુપા,લીયા,લીયા,લીયા,લીયા,લીયા,લીયા,લીયા,લીય
		देन
Eng	01:12:27	because dharmakay, the object one offers to, is bliss-emptiness inseparable too, one's offering
		of bliss-emptiness, [i.e. the nature of desire], becomes an offering where the object to whom
		one offers and what one offers are undifferentiated
Tib	01:12:46	
Eng	01:13:15	
Tib	01:13:53	
Eng	01:14:21	
Tib	01:15:14	
Eng	01:15:35	

Tib	01:16:14	
Eng	01:16:21	
Tib	01:16:31	वहिना हेन प्रति वर्रे र कनाम बर्ग वहिना हेन वाम वर्ग पर्व वर्रे र कनाम भर्देन र वयुर्ग । महाम स्मार्थ पर्वे र
Eng	01:17:02	pp: in this way one exhausts worldly desire, anger and stupidity and manifests desire, anger
		and stupidity beyond the worldly plane – becomes a buddha
Tib	01:17:45	
Eng	01:18:00	end of presentation after seven verses
Tib	01:18:31	
Eng	01:18:54	
Tib	01:19:05	
Eng	01:19:10	short meditation
Tib	01:19:25	गठेर-चुै'नद्रश्र'हूँ र-चुैश'र्ह्ने र-
Eng	01:19:33	
Tib	01:19:50	
Eng	01:20:12	short explanation about "look nakedly, rest relaxed"
Tib	01:21:02	
Eng	01:21:50	pp: about gazing: in rangtong meditation, while meditating on the emptiness of a self, one
		mainly meditates with eyes closed. But not exclusively. In zhentong meditation or dzogchen
		and mahamudra one mainly meditates with open eyes gazing in the sky
Tib	01:23:00	
Eng	01:23:40	
Tib	01:24:04	
Eng	01:24:15	
Tib	01:24:33	इ.चर्थेय मृत्यानम्प्रान्यान्यान्यानम्प्रान्यानान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान
		5 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
		्रितिटयंत्रेयो शु.जप्रश्नातपु.शर्चीया  विष्टीजश.क्ष्याचांधुदु.शर्चीया वि.क्षेत्र.यटाचांशूययटा ।त्राच्चय.शु.ज.प्रश्नाटशा ।प्रश्नायचाय.क्षेत्रः ।   १
		बेट १५०४ बेट 'र्झुमा  १५०४ बेट 'रुम' बेट 'र्झुम'र्स्ट, बा मार्चे सीमार्स्ट, सम्बन्ध, सार्च्य, सार्च, सा
		प्रिंद्र-दुन्प्याः
Eng	01:24:44	pp: as Milarepa advised Rechungpa to meditate while eating, meditate while walking, meditate
		while resting, it is permissible to meditate during various activities and work
		see: Milarepa Song: "Turning Daily Behaviour into a Practice"
Tib	01:25:02	
Eng	01:25:18	best examples for meditating while working is Tilopa and Togtshepa
Tib	01:25:44	
Eng	01:25:56	about meditating while working
Tib	01:26:18	
Eng	01:26:33	
	01:27:08	End of Talk 3 of 5
		created: PSC 31 JAN 2013
		last changes: PSC 09 APR 2013